

दिलजोई स्त्री. (फा.) सांत्वना, ढाढस, मातमपुरसी।

दिलदार वि. (फा.) 1. उदार 2. साहसी 3. रसिक, प्रेमी।

दिलदारी स्त्री. (फा.) दिलदार होने का भाव या कार्य।

दिलफेंक वि. (फा.) मनचला, किसी से भी केवल रूप देखकर प्रेम करने वाला।

दिलरुबा वि. (फा.) प्रिय लगने वाला, प्यारा पुं. तारों वाला एक बाजा।

दिलवाना स.क्रि. (देश.) किसी को अन्य किसी के लिए कोई वस्तु देने की प्रेरणा देना।

दिलशाद वि. (फा.) 1. जो दूसरों को खुश रखे, खुशनुमा 2. जो सदा खुश रहे, खुशमिजाज।

दिलहा पुं. (तद्.) दे. दिल्ली।

दिलाना स.क्रि. (देश.) 1. दे. दिलवाना 2. किसी को कुछ उपलब्ध करवाना।

दिलावर वि. (फा.) साहसी, दिलेर।

दिलासा पुं. (फा.) सांत्वना, ढाढस, धैर्य।

दिली वि. (फा.) 1. दिल से संबंधित, हार्दिक 2. अभिन्न, जिससे दिल मिले हो।

दिलेर वि. (फा.) 1. साहसी, हिम्मती, वीर 2. उदार।

दिलेराना वि. (फा.) साहस से युक्त, वीरतापूर्ण, वीरोचित।

दिलेरी स्त्री. (फा.) 1. साहस 2. उदारता।

दिल्लगी स्त्री. (फा.) 1. दिल लगने का भाव 2. परिहास, मजाक।

दिल्ला पुं. (देश.) प्रवेश द्वार या खिडकी के चारों ओर शोभा के लिए जड़ा गया लकड़ी का गढ़ा हुआ चौकोर टुकड़ा।

दिल्ली स्त्री. (देश.) यमुना के किनारे बसा एक नगर जो स्वतंत्र भारत की राजधानी है।

दिवंगत वि. (तत्.) जिसकी मृत्यु हो गई हो, स्वर्गीय।

दिवस पुं. (तत्.) दे. दिन।

दिवस-निरपेक्ष पादप पुं. (तत्.) कृषि. वह पौधा जिसके पुष्पन में दीप्तिकाल (सूर्योदय से सूर्यास्त तक का काल) का प्रभाव नहीं पड़ता day neutral plant

दिवस्पति पुं. (तत्.) स्वर्ग का राजा इंद्र।

दिवांध वि. (तत्.) जो दिन में (सूर्य के प्रकाश में) देख न सके। पुं. (तत्.) उल्लू।

दिवांधता स्त्री. (तत्.) दिवांध होने का भाव।

दिवा पुं. (तत्.) दे. दिन। क्रि.वि. (तत्.) दिन के समय पुं. (देश.) दीपक।

दिवाकर पुं. (तत्.) सूर्य।

दिवाचारी वि. (तत्.) जो मुख्यतः दिन में ही चलना-फिरना या काम करना इत्यादि करे।

दिवाना वि. (देश.) दीवाना स.क्रि. (देश.) दे. दिलाना।

दिवापुष्प पुं. (तत्.) कृषि. दिन में खिलने वाला और रात्रि में बंद हो जाने वाला या मुरझा जाने वाला फूल।

दिवाभिसारिका स्त्री. (तत्.) दिन में अभिसार करने वाली नायिका, दिन के प्रकाश में भी (न डरते हुए) शृंगार आदि करके प्रियतम से मिलने जाने वाली नायिका।

दिवाभीत/भीति पुं. (तत्.) दिन में डरने वाला। अर्थ- 1. उल्लू 2. कमलिनी का फूल 3. चोर स्त्री. (तत्.) दिन में डरने का भाव।

दिवामध्य पुं. (तत्.) दोपहर, मध्याह्न।

दिवाला पुं. (देश.) ऐसी परिस्थिति जिसमें व्यापारी अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति बेचकर भी अपनी देनदारियां चुकाने में असमर्थ हो जाए मुहा. दिवाला निकलना- समाज में सबको दिवाले